

उत्तराखण्ड शासन
ग्राम्य विकास अनुभाग-1
संख्या-¹¹⁵/XI(1)/2017-51(32)2009
देहरादून, दिनांक: 14 दिसम्बर, 2017

कार्यालय-आदेश

परियोजना निदेशक के पद पर पदोन्नति तथा कनिष्ठ अधिकारियों की भांति उन्हें भी द्वितीय एस0सी0पी0 का लाभ दिये जाने के सम्बन्ध में श्री अमर सिंह गुंजियाल द्वारा मा0 उच्च न्यायालय में रिट याचिका संख्या-243/एस0बी0/2017 ए0एस0 गुंजियाल बनाम राज्य सरकार दायर की गयी, जिसमें मा0 न्यायालय द्वारा दिनांक 13 सितम्बर, 2017 को निम्नवत् आदेश पारित किये गये हैं:-

"In the circumstances of the case, we dispose of the writ petition as follows:

The second respondent will take a final decision on the inquiry report within a period of three weeks from today. After a final decision is taken on the disciplinary proceedings, a decision will be taken within a period of six weeks from today in regard to the question of grant of ACP/promotion to the petitioner in accordance with law.

2- श्री अमर सिंह गुंजियाल द्वारा उन्हें द्वितीय वित्तीय स्तरोन्नयन एवं स्थायीकरण प्रदान करने के सम्बन्ध में समय-समय पर प्रत्यावेदन प्रस्तुत किये गये हैं। श्री गुंजियाल द्वारा अपने प्रत्यावेदनों में उल्लेख किया गया है कि शासन के कार्यालय आदेश दिनांक 7 जनवरी, 2014 द्वारा उनसे कनिष्ठ अधिकारियों को द्वितीय वित्तीय स्तरोन्नयन स्वीकृत किया गया है, परन्तु उनको द्वितीय एस0सी0पी0 का लाभ अनुमन्य नहीं किया गया है। शासन के पदोन्नति/तैनाती आदेश दिनांक 30 जून, 2006 के द्वारा श्री राजेन्द्र सिंह रावत, श्री नरेश कुमार एवं उन्हें जिला विकास अधिकारी के पद पर तदर्थ पदोन्नति दी गयी थी। शासन के आदेश दिनांक 28 अगस्त, 2015 द्वारा उक्त दोनों अधिकारियों को नियमित पदोन्नति दी गई है, परन्तु उन्हें नियमित पदोन्नति से वंचित रखा गया है।

3- उल्लेखनीय है कि जनपद चम्पावत में जनश्री बीमा योजना के संचालन में हुई अनियमितता के सन्दर्भ में याची श्री अमर सिंह गुंजियाल, तत्कालीन खण्ड विकास अधिकारी, चम्पावत के विरुद्ध शासन के आदेश दिनांक 24.08.2009 द्वारा अनुशासनिक कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए मुख्य विकास अधिकारी, ऊधमसिंह नगर को प्रश्नगत प्रकरण में जांच अधिकारी नामित किया गया था। जांच अधिकारी के द्वारा अपने पत्र दिनांक 01.03.2012 के माध्यम से जांच आख्या शासन को प्रस्तुत की गयी। जांच आख्या के अनुसार श्री अमर सिंह गुंजियाल को दोषी नहीं पाया गया, परन्तु जांच आख्या में श्री अमर सिंह गुंजियाल, तत्कालीन खण्ड विकास अधिकारी, चम्पावत को ग्राम पंचायत विकास अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गयी नकल पर प्रतिहस्ताक्षर करने के आरोप में आंशिक रूप से दोषी माना गया है। जांच अधिकारी द्वारा उपलब्ध करायी गयी जांच आख्या के सम्बन्ध में शासन स्तर पर निर्णय लेने हेतु प्रकरण व्यवहृत किया गया, परन्तु अन्ततः सक्षम स्तर पर यह निर्णय लिया गया कि याची श्री अमर सिंह गुंजियाल के सन्दर्भ में मा0 न्यायालय में आपराधिक वाद लम्बित होने के कारण इस सम्बन्ध में निर्णय मा0 न्यायालय में होने वाले अन्तिम निर्णय के उपरान्त ही लिया जायेगा। अतः प्रकरण मा0 न्यायालय में लम्बित होने के कारण जांच अधिकारी द्वारा शासन को उपलब्ध करायी गयी जांच आख्या पर तत्समय अन्तिम निर्णय नहीं लिया जा सका।

4- आयुक्त, ग्राम्य विकास, पौड़ी/मुख्य विकास अधिकारी/जिला विकास अधिकारी, चम्पावत की ओर से प्राप्त अभिलेखीय सूचना के अनुसार मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, चम्पावत के न्यायालय में फौजदारी वाद संख्या-195/09, धारा-420, 467, 468, 471 भा0द0वि0 बनाम सुरेश राम लम्बित था। पूर्व में प्रथम सूचना रिपोर्ट में याची श्री गुंजियाल नामजद नहीं थे, परन्तु मा0 मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, चम्पावत के द्वारा 319 सी0आर0पी0सी0के अन्तर्गत उन्हें समन जारी किया गया था।

अतः मा0 न्यायालय के उक्त आदेश दिनांक 13 सितम्बर, 2017 के आलोक में श्री अमर सिंह गुंजियाल, तत्कालीन खण्ड विकास अधिकारी को ग्राम पंचायत विकास अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गयी गलत बी0पी0एल0 प्रमाण पत्र की नकल पर प्रतिहस्ताक्षर करने का आंशिक रूप से दोषी मानते हुए श्री अमर सिंह गुंजियाल को भविष्य के लिए सचेत करते हुए उनके विरुद्ध लम्बित अनुशासनिक कार्यवाही को एतद्द्वारा समाप्त किये जाने का निर्णय लिया जाता है।

(मनीषा पंवार)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- ¹¹⁵ /XI(1)/2017-51(32)2009, तददिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. मुख्य स्थायी अधिवक्ता, मा0 उच्च न्यायालय, नैनीताल।
2. आयुक्त, ग्राम्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड, पौड़ी।
3. मुख्य विकास अधिकारी, रुद्रप्रयाग को इस निर्देश के साथ कि श्री अमर सिंह गुंजियाल को प्रश्नगत पत्र तामील कराकर तामीली की सूचना शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
4. मुख्य विकास अधिकारी, चम्पावत।
5. श्री अमर सिंह गुंजियाल, प्रभारी जिला विकास अधिकारी, रुद्रप्रयाग।
6. सम्बन्धित अधिकारी की व्यक्तिगत पत्रावली में चस्पा किये जाने हेतु।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(मनीषा पंवार)
प्रमुख सचिव।